बॉर्डर पार करने के लिए सुरक्षाकर्मी से भीख मांगती रही मां, बेबसी की तस्वीर हुई वायरल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मैक्सिको. बेहतर जिंदगी की तलाश में हर साल बड़ी संख्या में मध्य अमेरिकी देशों के शरणार्थी मेक्सिको के रास्ते अमेरिका पहुंचने का प्रयास करते हैं। ऐसी कोशिशों में कई कामयाब हो जाते है, कुछ सुरक्षाकर्मियों के द्वारा पकड़े जाते हैं और कई ऐसे भी हैं जो मारे जाते है। मैक्सिकन बॉर्डर से दिल को झकझोर देने वाली एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जो शरणार्थियों के हालात को बयां कर रही है।

तस्वीर में दिख रहा है कि घुटनों के बल बैठी एक मां रोते हुए मैक्सिकन नेशनल गार्ड के जवान से बॉर्डर पार करने की गुहार लगा रही है। ये तस्वीर रायटर के फोटोग्राफर जोस लुइस गोंजालेज द्वारा सोमवार को खिंची गई थी। फोटो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है। दिल को झकझोर देने वाली ये तस्वीर मैक्सिको की है, जहां महिला अपने 6 साल के बच्चे के साथ मैक्सिकन बॉर्डर पार कर अमेरिका जाने देने की प्रर्थना कर रही है।

दरअसल, मां और बेटे दोनों ग्वाटेमाला से लगभग 2 हजार 410 किमी की दूरी तय कर मैक्सिको के सीमावर्ती शहर सियूदाद जुआरेज़ (Ciudad Juarez) पहुंचे थे। दोनों बेहतर भविष्य के लिए बॉर्डर पार कर अमेरिका जाने चाहते थे, लेकिन बॉर्डर के महज चंद कदम की दूरी पर ही उन्हें सुरक्षाकर्मियों के द्वारा रोक लिया गया। सुरक्षाकर्मियों ने उसे बॉर्डर पार करने नहीं दिया।

फोटोग्राफर जोस लुइस ने बताया कि महिला नेशनल गार्ड के जवान से रो-रो कर बॉर्डर पार करने देने की भीख मांग रही थी। वह अपने बेटे के बेहतर भविष्य के लिए सरहद पार कर अमेरिका जाना चाहती थी। महीला करीब 9 मिनट तक अपने वेटे के साथ नेशनल गार्ड के जवान से गुहार लाती रही, लेकिन वो कामयाब नहीं हो सकी।

बता दें कि नेशनल गार्ड के लगभग एक तिहाई सैनिकों को सीमा पर गश्त करने का काम सौंपा गया है। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ग्वाटेमाला से आ रहे शरणार्थियों को रोकने के लिए मैक्सिकन राष्ट्रपति से मांग की थी।

वहीं, पूर्व मैक्सिकन राष्ट्रपति फेलिप काल्डेरोन ने तस्वीर को रीट्वीट करते हुए लिखा है कि मैक्सिको को कभी भी यह स्वीकार नहीं करना चाहिए था। अमेरिका के सीमा अधिकारियों ने इस साल मेक्सिको से लगती दक्षिणी सीमा पर करीब छह लाख 64 हजार शरणार्थी पकड़े। अकेले मई में ही एक लाख 44 हजार शरणार्थी पकड़े गए थे। हालांकि मई के बाद शरणार्थियों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है।

ईरान ने ब्रिटिश तेल टैंकर से पकड़े गए 18 भारतीयों को काउंसलर एक्सेस की मंजूरी दी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

तेहरान. ईरान ने हरमुज खाड़ी क्षेत्र में जब्त किए गए ब्रिटिश टैंकर पर सवार 18 भारतीय क्रू सदस्यों के लिए काउंसलर एक्सेस की मंजूरी दे दी है। ब्रिटेन स्थित ईरानी दूतावास ने शुक्रवार को ट्वीट कर कहा कि ब्रिटिश जहाज स्टेना इम्पेरो (British ship Stena Impero) से हिरासत में लिए गए 18 भारतीय क्रू सदस्यों के लिए भारतीय दूतावास को काउंसलर एक्सेस की मंजूरी दे दी गई है।

उल्लेखनीय है कि जिब्राल्टर के जलडमरूमध्य (Strait of Gibraltar) में ब्रिटिश नौसैनिकों द्वारा ईरानी तेल टैंकर ग्रेस-1 को जब्त किए जाने के बाद ईरान ने भी बदले की कार्रवाई करते हुए ब्रिटेन के दो तेल टैंकरों को अपने कब्जे में ले लिया था। ब्रिटिश टैंकर स्टेना इम्पेरो पर मौजूद 23 क्रू मेंबर्स में 18 भारतीय थे। ईरान के इस कदम के बाद ही भारत के विदेश मंत्रालय की ओर से अपने नागरिकों को छुड़ाने की कोशिशें शुरू कर दी गई थीं।

हालांकि, ईरान ने समुद्री जहाज एमटी रियाह से हिरासत में लिए गए 12 भारतीयों में से नौ को गुरुवार को रिहा कर दिया था। इन भारतीयों को जुलाई के पहले हफ्ते में हिरासत में लिया गया था। इस जहाज के तीन कर्मी अभी ईरानी हिरासत में हैं। इसके अतिरिक्त ब्रिटिश जहाज स्टेना इम्पेरो के चालक दल में शामिल 18 भारतीय भी ईरानी हिरासत में हैं। इस प्रकार से कुल 21 भारतीय ईरान के कब्जे में हैं।

अभी हाल ही में विदेश राज्य मंत्री वी. मुरलीधरन (V. Muraleedharan) ने बताया था कि जिब्राल्टर के जलडमरूमध्य (Strait of Gibraltar) में ब्रिटिश नौसैनिकों द्वारा जब्त किए गए ईरानी तेल टैंकर ग्रेस-1 में सवार सभी 24 भारतीय सुरक्षित हैं। इस बीच खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच ब्रिटेन ने अपनी रक्षा नीति में एक बड़ा बदलाव किया है। ब्रिटेन की नई रक्षा नीति के अनुसार, स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज (Strait of Hormuz) के रास्ते आने वाले सभी ब्रिटिश ध्वज वाहक जहाजों को ब्रिटिश नौसेना के युद्धपोत सुरक्षा देंगे।

सिडनी में खराब ड्राइविंग से पकड़ी गई मादक पदार्थों की एक बड़ी खेप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

सिडनी. किस्मत खराब हो तो अर्जुन जैसे धनुर्धर के बाण भी निशाना चूक जाते हैं। कहीं अगर आप सिद्धहस्त नहीं हैं और आपकी किस्मत खराब हो, तो भगवान ही आपका मालिक है। इसी फेर में सिडनी में मादक पदार्थों की एक बड़ी खेप पुलिस के शिकंजे में आई। यहां का एक आदमी 270 किग्रा मेथमफेटामाइन से लदा वाहन लेकर जा रहा था। उसे कायदे से वाहन चलाना नहीं आता था।

रास्ते में उसे सड़क किनारे पुलिस का एक गश्ती वाहन खड़ा दिखाई दिया। बस क्या था, महाशय के हाथ-पैर सुन्न हो गए। बौखलाहट में उसने पुलिस वाहन में ही टक्कर मार दी। जब पुलिस ने वाहन की तलाशी तो सारा मामला सामने आया। उस व्यक्ति को खराब तरीके से गाड़ी चलाने और नशीली दवाओं की आपूर्ति के मामलों में गिरफ्तार कर लिया गया है।

Gulf Tension: ब्रिटेन-ईरान तनाव के बीच खाड़ी क्षेत्र में उतरेंगे ब्रिटिश नौसेना के युद्धपोत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लंदन. खाड़ी क्षेत्र में ईरान और ब्रिटेन में बढ़ते तनाव के बीच ब्रिटेश ने अपनी रक्षा नीति में एक बड़ा बदलाव किया है। ब्रिटेन की नई रक्षा नीति के अनुसार, स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज(Strait of Hormuz) के रास्ते आने वाले सभी ब्रिटिश ध्वजवाहक जहाजों को ब्रिटिश नौसेना के युद्धपोत की सुरक्षा दी जाएगी।

ईरान और ब्रिटेन के बीच तनाव तब से बढ़ गया है, जब ईरान ने शुक्रवार को स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज में 24 भारतीयों सहित एक ब्रिटिश ध्वजवाहक टैंकर जिसका नाम स्टेना इम्पो और उसके 23 चालक दल के सदस्यों को जब्त कर लिया था। सीरिया पर यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों का उल्लंघन करने के आरोपी, जिब्राल्टर के ब्रिटिश-नियंत्रित क्षेत्र के पास ब्रिटिश सुरक्षाबलों द्वारा ईरानी तेल टैंकर पर कब्जा

करने के दो हफ्ते बाद यह घटना सामने आई।नौसेना के एक प्रवक्ता ने बयान में कहा, 'रॉयल नेवी के युद्धपोतों को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज(Strait of Hormuz)के माध्यम से ब्रिटिश झंडे वाले जहाजों के साथ व्यक्तिगत रूप से या समूहों में सुरक्षा दी जाएगी।'

अल जज़ीरा के अनुसार, ब्रिटिश सरकार ने पहले जहाजों को स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज(Strait of Hormuz) के रास्ते से बचने के लिए कहा था।

9 भारतीयों को किया रिहा

ईरान ने समुद्री जहाज एमटी रियाह से हिरासत में लिए गए 12 भारतीयों में से नौ को गुरुवार को रिहा कर दिया। इन भारतीयों को जुलाई के पहले सप्ताह में हिरासत में लिया गया था। इस जहाज के तीन कर्मी अभी ईरानी हिरासत में हैं। इसके अतिरिक्त ब्रिटिश जहाज स्टेना इम्पेरो के चालक दल में शामिल 18 भारतीय भी ईरानी हिरासत में हैं। इस प्रकार से कुल 21 भारतीय ईरान के कब्जे में हैं। स्टेना जहाज को ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड ने पिछले सप्ताह होर्मुज स्ट्रेट में कब्जे में लिया था। तेहरान में स्थित भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने गुरुवार को स्टेना में मौजूद 18 भारतीयों से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना।

ब्रिटेन के कब्जे वाले ईरानी तेल टैंकर ग्रेस वन में भी 24 भारतीय मौजूद हैं। ये भारतीय टैंकर के चालक दल के सदस्य हैं।

फिलहाल ये सभी पुलिस की हिरासत में हैं। सीरिया जा रहे इस टैंकर को ब्रिटिश उपनिवेश जिब्राल्टर के पास चार जुलाई को ब्रिटेन की नौसेना ने रोका था। अमेरिका और यूरोपीय यूनियन ने ईरान के तेल कारोबार पर प्रतिबंध लगा रखा है। इसी प्रतिबंध का उल्लंघन करने पर ग्रेस वन को रोका गया है।